शारडा एनर्जी एंड मिनिरल्स लिमिटेड

परिचय

सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड (एसईएमएल)

सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड (SEMI) एक प्रमुख भारतीय कंपनी है जो फेरोएलॉय, स्टील, कैप्टिव पावर जेनरेशन और लौह अयस्क खनन के उत्पादन में लगी हुई है। 1973 में स्थापित, SEML भारत में फेरोएलॉय के सबसे कम लागत वाले उत्पादकों में से एक है और ऊर्जा और खनिजों के क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

कंपनी का मुख्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़ में है और यह पूरे भारत में कई विनिर्माण इकाइयों और खदानों का संचालन करती है।

संकल्प एक प्रयास सोसाइटी भिलाई

परिचय

संकल्प एक प्रयास छत्तीसगढ़ में वर्ष 2008 से एक गैर-सरकारी संस्था के रूप में दुर्ग, राजनांदगांव, धमतरी, बेमेतरा और बालोद जिलों के विभिन्न गांवों और नगर पंचायतों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। संस्था का मुख्य उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना,
उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना है।

संस्था का प्रमुख लक्ष्य आदर्श बाल ग्राम का निर्माण करना है, जहाँ बच्चे और महिलाएँ समान अवसरों के साथ शिक्षा और विकास के पथ पर आगे बढ़ सकें। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संकल्प एक प्रयास तीन प्रमुख वर्टिकल्स के माध्यम से कार्य करती है:

1. सीख:
कक्षा पहली से पाँचवीं तक के बच्चों के लिए एक्टिविटी बेस्ड लर्निंग (ABL) पद्धति को अपनाया जाता है। यह बच्चों को खेल-खेल में सीखने और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने का अवसर प्रदान करता है।

2. सृजन: कक्षा छठवीं से दसवीं तक के छात्रों के लिए हैंड्स-ऑन एक्सपीरियंस लर्निंग को बढ़ावा दिया जाता है।
इस प्रक्रिया में प्रायोगिक गतिविधियों और प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षण के माध्यम से बच्चों की समस्या-समाधान क्षमता और आवश्यक कौशल विकसित किए जाते हैं।

3. गरिमा: महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए विशेष रूप से कार्य किया जाता है।
इसके तहत उन्हें कौशल विकास, स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित किया जाता है।

प्रोजेक्ट्- सृजन

सृजन, संकल्प-एक प्रयास संस्था की "आदर्श बाल संरक्षण संकल्पना" के तहत की गई पहल है। इसमें कक्षा 6 से 10 तक के बच्चों के लिए पहल शामिल की गई है। संकल्प एक प्रयास कक्षा 6 से 10 तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ सरकारी स्कूलों की शिक्षा में भी सहयोग कर रहा है, ताकि इन बच्चों की शिक्षा में सुधार हो सके। सृजन में बच्चों को मुख्य रूप से तीन विषय पढ़ाए जाते हैं: विज्ञान और गणित। अंग्रेजी पढ़ाई जाती है। सृजन कार्यक्रम के तहत कंप्यूटर शिक्षा विज्ञान मेला छात्रवृत्ति ई-उड़ान कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

राष्ट्रीय साधन सह -प्रवीवण्य छात्रवृत्ति योजना

परिचय

एनएमएमएसई (नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप) परीक्षा:

एनएमएमएसई परीक्षा भारत सरकार द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की छात्रवृत्ति परीक्षा है। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है ताकि वे अपनी शिक्षा जारी रख सकें। यह छात्रवृत्ति कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों

एनएमएमएसई परीक्षा का उद्देश्य

एनएमएमएसई परीक्षा के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:
(1) आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना:
एनएमएमएसई परीक्षा का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह परीक्षा उन छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए आयोजित की जाती है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।
(2) उच्च शिक्षा में पहुंच बढ़ाना:
एनएमएमएसई परीक्षा का एक अन्य उद्देश्य उच्च शिक्षा में पहुंच बढ़ाना है। यह परीक्षा उन छात्रों को उच्च शिक्षा में पहुंच प्रदान करने के लिए आयोजित की जाती है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।
(3) प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहित करना:
एनएमएमएसई परीक्षा का एक अन्य उद्देश्य प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहित करना है। यह परीक्षा उन छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित की जाती है जो प्रतिभाशाली हैं और अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

पात्रता मानदंड:*

एनएमएमएसई परीक्षा के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैं:
(1) छात्र कक्षा 8 में अध्ययनरत होना चाहिए:
एनएमएमएसई परीक्षा के लिए छात्र कक्षा 8 में अध्ययनरत होना चाहिए। यह परीक्षा कक्षा 8 के छात्रों के लिए आयोजित की जाती है जो अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।
(2) छात्र के परिवार की वार्षिक आय 1.5 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए:
एनएमएमएसई परीक्षा के लिए छात्र के परिवार की वार्षिक आय 1.5 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह परीक्षा उन छात्रों के लिए आयोजित की जाती है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।
(3) कक्षा सातवीं में एसटी, एससी बच्चों का 42% और ओबीसी बच्चों का 52% होना चाहिए:
एनएमएमएसई परीक्षा के लिए कक्षा सातवीं में एसटी, एससी बच्चों का 42% और ओबीसी बच्चों का 52% होना चाहिए। यह परीक्षा उन छात्रों के लिए आयोजित की जाती है जो अनुसूचित जाति/जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग से संबंधित हैं।

परीक्षा प्रक्रिया:*

एनएमएमएसई परीक्षा की प्रक्रिया निम्नलिखित है:

(1) परीक्षा में दो पेपर होते हैं: मानसिक योग्यता परीक्षा (एमएटी) और शैक्षिक योग्यता परीक्षा (एसएटी):

एनएमएमएसई परीक्षा में दो पेपर होते हैं: मानसिक योग्यता परीक्षा (एमएटी) और शैक्षिक योग्यता परीक्षा (एसएटी)। मानसिक योग्यता परीक्षा में छात्र की मानसिक क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है, जबकि शैक्षिक योग्यता परीक्षा में छात्र की शैक्षिक क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है।

(2) प्रत्येक पेपर 90 अंकों का होता है और इसमें 90 प्रश्न होते हैं:

प्रत्येक पेपर 90 अंकों का होता है और इसमें 90 प्रश्न होते हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित किया गया है। छात्र को प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देने के लिए 1 मिनट का समय दिया जाता है।

(3) परीक्षा की अवधि 3 घंटे होती है:

परीक्षा की अवधि 3 घंटे होती है। छात्र को परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की सहायता नहीं दी जाती है। छात्र को अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग करके प्रश्नों का उत्तर देना होता है।

एनएमएमएसई परीक्षा की तैयारी कैसे करें:

एनएमएमएसई परीक्षा की तैयारी करने के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए गए हैं:

(1) पाठ्यक्रम को समझें और महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित करें:

एनएमएमएसई परीक्षा की तैयारी करने के लिए सबसे पहले पाठ्यक्रम को समझना होगा। पाठ्यक्रम में शामिल विषयों को ध्यान से पढ़ें और महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित करें।

(2) पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को हल करें:

पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को हल करने से आपको परीक्षा के पैटर्न और प्रश्नों के प्रकार के बारे में जानकारी मिलेगी। इससे आपको अपनी तैयारी को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

(3) नियमित रूप से मॉक टेस्ट दें:

मॉक टेस्ट देने से आपको अपनी तैयारी का मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी। इससे आपको अपनी कमजोरियों को पहचानने और उन पर काम करने में मदद मिलेगी।

(4) समय प्रबंधन का अभ्यास करें:

परीक्षा में समय प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण है। आपको अपने समय को इस तरह से प्रबंधित करना होगा कि आप सभी प्रश्नों का उत्तर दे सकें। इसके लिए आप समय प्रबंधन का अभ्यास कर सकते हैं।

संकल्प एक प्रयास - सृजन प्रकल्प के प्रयास:

संकल्प एक प्रयास - सृजन प्रकल्प के प्रयास निम्नलिखित हैं:

(1) संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष एन एम एम एस ई परीक्षा के लिए योग्य छात्रों का चिन्हांकन करना:

संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष एन एम एम एस ई परीक्षा के लिए योग्य छात्रों का चिन्हांकन करना होता है। इसके लिए संस्था द्वारा छात्रों की शैक्षिक पृष्ठभूमि और आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन किया जाता है।

(2) छात्रों के पालकों को इस परीक्षा के लाभ और अवसरों के बारें में जानकारी देना:

संस्था द्वारा छात्रों के पालकों को इस परीक्षा के लाभ और अवसरों के बारें में जानकारी दी जाती है। इसके लिए संस्था द्वारा पालकों के साथ बैठकें आयोजित की जाती हैं और उन्हें परीक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जाती है।

(3) छात्रों को परीक्षा में पंजीकृत करने के लिए आवश्यक दस्तावेज तैयार करने हे सहयोग करना:

संस्था द्वारा छात्रों को परीक्षा में पंजीकृत करने के लिए आवश्यक दस्तावेज तैयार करने हेतु सहयोग किया जाता है। इसके लिए संस्था द्वारा छात्रों को आवश्यक दस्तावेजों की सूची प्रदान की जाती है और उन्हें दस्तावेज तैयार करने में सहयोग किया जाता है।

(4) प्रत्येक सप्ताह - सृजन सामुदायिक स्वैच्छिक शिक्षकों के माध्यम से विशेष कक्षाओं का संचालन करना:

संस्था द्वारा प्रत्येक सप्ताह सृजन सामुदायिक स्वैच्छिक शिक्षकों के माध्यम से विशेष कक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन कक्षाओं में छात्रों को परीक्षा के लिए तैयार किया जाता है और उन्हें विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

(5) समय - समय पर सृजन फेलो के द्वारा शिक्षकों तथा छात्रों को मार्गदर्शन सुनिश्चित करना:

संस्था द्वारा समय-समय पर सृजन फेलो के द्वारा शिक्षकों तथा छात्रों को मार्गदर्शन सुनिश्चित किया जाता है। इसके लिए संस्था द्वारा शिक्षकों और छात्रों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं और उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

(6) आवश्यकता अनुसार छात्रों को पाठ्य सामग्री एवं स्टेशनरी उपलब्ध करवाना:

संस्था द्वारा आवश्यकता अनुसार छात्रों को पाठ्य सामग्री एवं स्टेशनरी उपलब्ध करवाई जाती है। इसके लिए संस्था द्वारा छात्रों की आवश्यकताओं का मूल्यांकन किया जाता है और उन्हें आवश्यक पाठ्य सामग्री एवं स्टेशनरी प्रदान की जाती है।

कार्य योजना

संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष एन एम एम एस ई परीक्षा के लिए योग्य छात्रों का चिन्हांकन करना होता हैएनएमएमएसई परीक्षा के लिए आगे की कार्ययोजना निम्नलिखित है:

(1) छात्रों की पहचान और चयन:

एनएमएमएसई परीक्षा के लिए छात्रों की पहचान और चयन करना। इसके लिए स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों की प्रतिभा और योग्यता का मूल्यांकन करना होगा।

(2) छात्रों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करना:

एनएमएमएसई परीक्षा के लिए छात्रों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करना। इसके लिए शिक्षकों और विशेषज्ञों की मदद लेनी होगी।

(3) छात्रों को आवश्यक संसाधन प्रदान करना:

एनएमएमएसई परीक्षा के लिए छात्रों को आवश्यक संसाधन प्रदान करना। इसके लिए पुस्तकें, अध्ययन सामग्री और अन्य आवश्यक संसाधन प्रदान करने होंगे।

(4) छात्रों की प्रगति की निगरानी करना:

एनएमएमएसई परीक्षा के लिए छात्रों की प्रगति की निगरानी करना। इसके लिए नियमित रूप से छात्रों की प्रगति का मूल्यांकन करना होगा।

(5) छात्रों को प्रोत्साहित करना:

एनएमएमएसई परीक्षा के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करना। इसके लिए छात्रों को प्रेरित करना और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

(6) एनएमएमएसई परीक्षा के परिणामों का विश्लेषण करना:

एनएमएमएसई परीक्षा के परिणामों का विश्लेषण करना। इसके लिए परीक्षा के परिणामों का विश्लेषण करना होगा और आवश्यक कदम उठाने होंगे।

एनएमएमएसई परीक्षा के लाभ:

एनएमएमएसई परीक्षा के लाभ निम्नलिखित हैं:

(1) चयनित छात्रों को कक्षा 9 से 12 तक प्रति वर्ष 12,000 रुपये (प्रति माह 1000 रु) की छात्रवृत्ति मिलती है:

एनएमएमएसई परीक्षा में चयनित छात्रों को कक्षा 9 से 12 तक प्रति वर्ष 12,000 रुपये (प्रति माह 1000 रु) की छात्रवृत्ति मिलती है। यह छात्रवृत्ति छात्रों को उनकी शिक्षा जारी रखने में मदद करती है।

(2) यह छात्रवृत्ति छात्रों को उनकी शिक्षा जारी रखने में मदद करती है:

एनएमएमएसई परीक्षा की छात्रवृत्ति छात्रों को उनकी शिक्षा जारी रखने में मदद करती है। यह छात्रवृत्ति छात्रों को अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

(3) आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभावान बच्चों को अपनी औपचारिक शिक्षा पूरी करने का अवसर प्रदान करती है:

एनएमएमएसई परीक्षा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभावान बच्चों को अपनी औपचारिक शिक्षा पूरी करने का अवसर प्रदान करती है। यह परीक्षा उन बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।

संकल्प एक प्रयास _ सृजन प्रकल्प के प्रयास

- संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष एन एम एम एस ई परीक्षा के लिए योग्य छात्रों का चिन्हांकन करना
- छात्रों के पालकों को इस परीक्षा के लाभ और अवसरों के बारें में जानकारी देना
- छात्रों को परीक्षा में पंजीकृत करने के लिए आवश्यक दस्तावेज तैयार करने हेतु सहयोग करना
- प्रत्येक सप्ताह – सृजन सामुदायिक स्वैच्छिक शिक्षकों के माध्यम से विशेष कक्षाओं का संचालन करना
- समय – समय पर सृजन फेलो के द्वारा शिक्षकों तथा छात्रों को मार्गदर्शन सुनिश्चित करना
- आवश्यकता अनुसार छात्रों को पाठ्य सामग्री एवं स्टेशनरी उपलब्ध करवाना परीक्षा का प्रभाव निम्नलिखित है:

एनएमएमएसई परीक्षा की आने वाली चुनौतियां

1. दस्तावेजों का सही समय पर ना बन पाना: अभिभावकों का अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूकता नहीं होती है जिसके कारण वह जाति निवासी और आय प्रमाण पत्र बनाने में सफल नहीं हो पाते हैं जिससे बच्चे अपना आवेदन नहीं भर पाते हैं

2. *वित्तीय संसाधनों की कमी*: शिक्षकों को समय और योग्यता के हिसाब से प्रोत्साहन राशि कम दी जाती है

3. *प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी*: एनएमएमएसई परीक्षा के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी एक बड़ी चुनौती हो सकती है।

4. *. *छात्रों की तैयारी की कमी*: एनएमएमएसई परीक्षा के लिए छात्रों की तैयारी की कमी एक बड़ी चुनौती हो सकती है।

एनएमएमएसई परीक्षा की आने वाली चुनौतियों का समाधान

दस्तावेजों का सही समय पर ना बन पाना: अभिभावकों को जागरूक करना और सम
पर दस्तावेज बनवाना।
वित्तीय संसाधनों की कमी: सरकार द्वारा छात्रवृत्ति की राशि को बढ़ाना चाहिए।
प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी: शिक्षकों को उचित प्रशिक्षण देना चाहिए।
छात्रों की तैयारी की कमी: छात्रों को नियमित रूप से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करन
चाहिए।

एनएमएमएसई परीक्षा का प्रभाव छात्रों पर

1. *वित्तीय सहायता*: एनएमएमएसई परीक्षा के माध्यम से छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

2. *उच्च शिक्षा में पहुंच*: एनएमएमएसई परीक्षा के माध्यम से छात्रों को उच्च शिक्षा में पहुंच प्रदान की जाती है।

3. *प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहित करना*: एनएमएमएसई परीक्षा के माध्यम से प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहित किया जाता है।

एनएमएमएसई परीक्षा का प्रभाव शिक्षा प्रणाली पर

1. *शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार*: एनएमएमएसई परीक्षा के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है।

2. *शिक्षा में समानता*: एनएमएमएसई परीक्षा के माध्यम से शिक्षा में समानता प्रदान की जा सकती है।

3. *शिक्षा के अवसरों में वृद्धि*: पिछले वर्ष एनएमएमएसई परीक्षा के माध्यम से 252 बच्चों ने परीक्षा दिया था उसमें से 49 बच्चे चयनित हुए जिससे प्रोत्साहित होकरउपलब्धि

संकल्प एक प्रयास : उपलब्धि

सत्र 2023-24:

- इस सत्र में, कुल 252 छात्रों को एनएमएमएसई परीक्षा के लिए तैयार किया गया और उन्हें लाभान्वित किया गया।
- इन 252 छात्रों में से 49 छात्रों ने परीक्षा में सफलता प्राप्त की और छात्रवृत्ति के लिए चयनित हुए।
- आगामी परीक्षा में सभी लक्ष्य गावों से लगभग 1025 (पिछले वर्ष से 4 गुना अधिक) छात्र पंजीकृत हुए है तथा सृजन कार्यक्रम के सहयोग से तयारी कर रहे है